वर्ष : १३ अंक : ५१ हिंदी साप्ताहिक पुणे - शुक्रवार १८ से २४ जुन २०२१ पृष्ठ - ४ ₹ मूल्य - २

हम नवा

फिनोलेक्स, मुकुल माधव फाउंडेशनद्वारा २५०० कातकरी परिवार को अनाजदान

पुणे । हमनवा प्रतिनिधी

फिनोलेक्स इंडस्ट्रीज व मुकुल माधव फाउंडेशनद्वारा वनवासी कल्याण आश्रम के सहयोग से कातकरी समुदाय के २५०० परिवारों को अनाज वितरित किया. इसमें मावल, भोर, वेल्हा, खेड़, जुन्नर, आंबेगाव इन छह तालुकाओ के कातकरी परिवार शामिल हैं. मावल तालुका में के टेमघर धरण के पास स्थित लव्हार्डे गांव से यह उपक्रम शुरू हुआ.

इस वक्त फिनोलेक्स इंडस्ट्री के उपाध्यक्ष (कमर्शियल्स) बी. आर. मेहता, वनवासी कल्याण आश्रम के मनोज पोचत, दिलीप मेहता, प्रकाश किचडे, विनायक खाडे, महेश भुस्कुटे, मिलिंद करमरकर, सुरेश हणमंते, सुनील भोसले, स्थानिक समन्वयक विशाल भुरूक, मुकुल माधव फाउंडेशन के वरिष्ठ प्रतिनिधी जितेंद्र जाधव आदी उपस्थित थे.

कातकरी समुदाय की आजीविका मुख्य रूप से जंगल से शहद, मोम, गोंद, आयुर्वेदिक दवा, मछली पकड़ना इसपर निर्भर है. हालांकि, पिछले डेढ़ साल से लॉकडाउन के कारण उनको मजदूरी नहीं मिल रही है. दूसरी लहर में मजदूरी का नुकसान हुआ है, इस समाज पर अकाल का समय आया है. यह बात ध्यान में रखकर वनवासी कल्याण आश्रम ने मुकुल माधव फाउंडेशन को मदद मांगी. फाउंडेशन की व्यवस्थापकीय संचालक रितू प्रकाश छाब्रिया ने तुरंत इस मदद के लिए हां कहा. २५०० परिवार को पंधरा दिन तक का अनाज दिया गया, ऐसे महेश भुस्कुटे ने बताया.

बी. आर. मेहता ने कहा की, कातकरी समुदाय की समस्याओं को देखते हुए फाउंडेशन ने यह अनाज तत्काल उपलब्ध कराया है. पिछले एक साल से, फिनोलेक्स और मुकुल माधव फाउंडेशन देश भर में वंचितों को भोजन, दवा, चिकित्सा साहित्य और अन्य आवश्यक साहित्य प्रदान कर रहे हैं. रितू प्रकाश छाब्रिया ने कहा, पहाड़ी इलाको में रहनेवाले इस कातकरी समाज छोटी छोटी चीजे जमा कर के अपना उदर्निर्वाह करते है. लेकिन कोरोना काल में उनका रोजगार गया है. इनकी समस्या वनवासी कल्याण आश्रम ने हमें बताई. इस पहाड़ी समुदाय की मदद करके खुशी हो रही है. हम समाज के सभी वंचितों तक पहुंचने का प्रयास जारी रखेंगे.